Gm – राजा मसीहा का विरोध | 1

– Save This Page as a PDF–

राजा मसीहा का विरोध



अवलोकन और पूछताछ के चरण के बाद सैन्हेड्रिन ने
अपना आधिकारिक निर्णय लिया कि यीशु पर राक्षस था (देखें Ek – यह केवल राक्षसों के राजकुमार बील्ज़ेबब द्वारा है, कि यह साथी राक्षसों को बाहर निकालता है)। वह स्पष्ट रूप से चमत्कार कर रहा था, लेकिन वह मौखिक ब्यबस्था में विश्वास नहीं करता था। रब्बियों ने सिखाया कि जब मसीहा आएगा तो वह न केवल मौखिक ब्यबस्था में विश्वास करेगा, बल्कि वह नए मौखिक ब्यबस्था बनाने में भी भाग लेगा। ईश्वर होने के नाते और यह जानते हुए कि मौखिक ब्यबस्था (देखें Ei– मौखिक ब्यबस्था) केवल पुरुषों की परंपराएं थीं (मरकुस ७:७), येशुआ का इससे कोई लेना-देना नहीं होगा। नतीजतन, मसीहा होने का उनका दावा और मसीहा साम्राज्य की पेशकश खारिज कर दी गई। और क्योंकि वह मौखिक ब्यबस्था में विश्वास नहीं करता था. . . उन्होंने उसे मार डाला.

इस अगले भाग में जो होता है वह अलग है। जनता धीरे-धीरे फरीसियों की इस व्याख्या को स्वीकार करने लगी कि प्रभु में राक्षस था। इसलिए, इस खंड में मुख्य वाक्यांश है: लोग विभाजित थे (यूहन्ना ७:४३)।

यह खंड मसीह के मंत्रालय के अंतिम वर्ष में अक्टूबर में बूथों के पर्व (या सुकोट) से लेकर दिसंबर में समर्पण के पर्व (या हनुक्का) तक की तीन महीने की अवधि को कवर करता है। केवल लूका और युहन्ना ही इस सामग्री को कवर करते हैं, दोनों दो अलग-अलग पहलुओं पर जोर देते हैं। लूका सामान्य रूप से यहूदिया के क्षेत्र में यीशु के मंत्रालय पर जोर देता है, जबकि युहन्ना यरूशलेम के पवित्र शहर में उनके मंत्रालय पर जोर देता है।